



CATHOLIC BISHOPS' CONFERENCE OF INDIA (CBCI)

C.B.C.I. Centre, 1 Ashok Place, Near Gole Dakkhana, New Delhi-110 001, India

Tel: +91 11 2334 4470

Cardinal Oswald Gracias

President

PASTORAL LETTER TO THE CATHOLIC BISHOPS OF INDIA

Our country is in an election mode. The dates for the General Elections have been announced. From April 11 – May 19, 2019, the country will be going through the gigantic process of elections to choose our members of Parliament. Hundreds of millions will go to vote in the largest democracy in the world: we are more than all of Europe and Australia put together! All of us are truly proud of our country: the generally peaceful election process getting better each time as every Government tries to make improvements. India can truly be a model for other countries to imitate and adapt to local circumstances.

As Pastors of our people, we Bishops consider it is our duty to address you through this Pastoral Letter so that joining hands with all people of good will, our community can effectively contribute to shaping the future of our nation.

At the very outset we wish to make it clear that the Catholic Church does not identify herself with or side any political party. This is the stated policy of the Catholic Church. Nevertheless, as before every election we feel called to give some general guidance to our people for the good of our country. Our country has made great progress because of advancement of science and technology. Infrastructure and public facilities have improved. We are a fast growing economy. Every government has contributed to the great progress that has been made over the years. There is great hope for the future. At the same time there are several areas of concern. The big gap between the rich and the poor seems to be widening. Many unorganized and casual labourers are barely able to survive with what they earn. Farmers and those in agricultural sector are under serious stress. Further, ethics is losing primacy as the guiding principle of society. Economics seems to be driving forces behind many decisions. India is a spiritual nation, and yet God is slowly being pushed to the periphery. It is in this context and at this moment in history that we are going into elections.

We remind ourselves first of all of our duty to exercise our vote. Every citizen above 18 years has the right to vote, but voting is also a sacred obligation we owe to our country. All our Parish Priests are urged to impress on our people this obligation. Every single vote does count. Hence, we owe it to ourselves, to our children and to our country to fulfil this sacred duty and thus get involved in bettering the direction of our nation.

I urge every community to pray and to discern in prayer what is best for our country. We have to vote judiciously. The Catholic Church hopes that the General Elections will give us leaders who listen to the people, understand their anxieties and their needs and respond effectively.

We need leaders in India who understand that authority is service and therefore:

1. work for an economy that seeks specially to help the poor and under privileged, protecting their dignity, working for their uplift and enabling them to play a role in nation building.
2. ensure a totally safe environment for all people, particularly women and children.
3. safeguard the rights of tribals over land, water and forests.
4. take particular care of Dalits and ensure they are not discriminated against, granting equal rights to all Dalits.



CATHOLIC BISHOPS' CONFERENCE OF INDIA (CBCI)

C.B.C.I. Centre, 1 Ashok Place, Near Gole Dakkhana, New Delhi-110 001. India

Tel: +91 11 2334 4470

Cardinal Oswald Gracias

President

5. promote communal harmony and a spirit of national integration through inter-religious dialogue and understanding.
6. take steps to protect the environment, preserving the riches of nature for future generations.

These are national issues. There would be other local and particular needs to be considered as well.

We urge our people to spend time in prayer in Church, and at home, so as to be able to discern what is best for India and for our common good. All of us must pray ardently for a good government. God sent his Son Jesus that we may have life and life in its fullness (John 10:10). With the Lord's strength and guided by the Spirit we must all work unitedly for a better India. We lift our country to Mother Mary asking her to always protect our country and bring us abundant graces. God bless India!

+

March 14, 2019

✠ **Oswald Cardinal Gracias**
Archbishop of Bombay &
President, Catholic Bishops' Conference of India

काथलिक बिशप कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया का मेषपालीय पत्र

हमारे देश में इस समय चुनाव का दौर है। लोक सभा चुनाव की तिथियाँ घोषित हो चुकी हैं। सारा देश अपने प्रतिनिधियों को संसद में भेजने के लिए 11 अप्रैल से 19 मई 2019 के बीच वृहद् चुनाव प्रक्रिया से गुजरेगा। दुनिया के सबसे बड़े जनतंत्र के रूप में करोड़ों लोग अपना वोट डालेंगे। हमारी जनसंख्या समस्त यूरोप और ऑस्ट्रेलिया की सम्मिलित जनसंख्या से भी अधिक है, जो अपने देश के लिए गर्व की बात है। आम तौर पर प्रत्येक सरकार द्वारा चुनावी प्रक्रिया को बेहतर करने की प्रयास के कारण, हर बार हमारी चुनावी प्रक्रिया शान्तिपूर्ण हुआ करती रही है, स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार सामंजस्य करने के मामले में भारत अन्य राष्ट्रों को अनुकरण करने का एक मिसाल बन सकती है।

ख्रीस्तीय प्रजा का धर्मगुरु होने के नाते हम सभी धर्माध्यक्षों का परम कतव्य है कि हम इस मेषपालीय धर्मपत्र के माध्यम से आपको संबोधित करें, ताकि सद्भावना रखने वाले सभी लोगों के साथ कंधा मिलाते हुए, हमारा काथलिक समुदाय देश के भविष्य को संवारने में प्रभावपूर्ण योगदान दे सके।

शुरूआत में ही हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि काथलिक कलीसिया न ही किसी राजीतिक दल के रूप में अपनी पहचान रखती है और न ही किसी दल का पक्ष लेती है। और यह काथलिक कलीसिया की एक विशिष्ट नीति है। लेकिन देश के हित के लिए हर चुनाव के पूर्व हम अपने लोगों को इस दायित्व पर कुछ मार्गदर्शन अथवा दिशा-निर्देश देती हैं। विज्ञान और तकनीकी की प्रगति के कारण हमारे देश ने कई क्षेत्रों में उन्नति किया है। आधारभूत संरचनाओं एवं जन सुविधाओं में काफी सुधार आया है। हम एक प्रगतिशील अर्थव्यवस्था बन गये हैं। विगत वर्षों में देश की प्रगति के लिए हर सरकार ने कुछ न कुछ अहम् योगदान दिया है। जो भविष्य के लिये एक बहुत बड़ी आशा है। लेकिन इसके साथ ही साथ चिन्ता के कई विषय हैं। अमीर और गरीब के बीच का फासला बढ़ती जा रही है। अनेकों असंगठित समूह और दैनिक मजदूर जैसे-तैसे अपनी कमाई से जीविका चला रहे हैं। किसान आर कृषि-क्षेत्र में कार्यरत लोग शारीरिक और मानसिक तनाव में हैं। वहीं समाज के मार्गदर्शक सिद्धान्त के रूप में हमारी नैतिकता की महत्ता कम होती जा रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि कई निर्णयों के पीछे अर्थ शक्ति एक प्रेरक बनती जा रही है। भारत एक आध्यात्मिक राष्ट्र है, परन्तु ईश्वर को धीरे-धीरे परिधि की ओर धकेल दिया जा रहा है। हम सभी इसी प्रसंग में तथा इस ऐतिहासिक महत्वपूर्ण समय में मतदान करने जा रहे हैं।

सर्वप्रथम हम अपने आप को याद दिलायें कि मत देना हमारा एक बड़ा दायित्व है। देश का हर नागरिक, जो 18 वर्ष से ऊपर है, उसे मत देने का अधिकार है। मतदान अपने दश के प्रति एक कर्तव्य है। सभी पल्ली पुरोहितों से निवेदन है कि वे लोगों को इस कर्तव्य को निभाने के लिये जागृत करें क्योंकि हर वोट महत्वपूर्ण है। अतः हम सभी, अपने लिए, अपने बच्चों के लिए और देश के लिए इस मतदान कार्य को पूर्ण करने के लिये प्रतिबद्ध हैं जिसे हम देश की दिशा को अच्छा करने में शामिल हो सके।

मैं हर समुदाय को प्रार्थना करने के लिए आग्रह करता हूँ जिससे हम प्रार्थना द्वारा देश के हित के लिये सबसे उत्तम निर्णय ले सकें। काथलिक कलीसिया यह आशा करती है कि आम-चुनाव में विवेकपूर्ण मतदान द्वारा ऐसे नेता मिलें जो लोगों को सुन सकें, उनकी चिन्ताओं और आवश्यकताओं को समझे और उसके अनुकूल प्रभावपूर्ण ढंग से प्रत्युत्तर दें।

भारत देश में ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो अधिकार को एक सेवा समझे, इसलिए-

1. एक ऐसी अर्थव्यवस्था के लिये काम करें जो खासकर गरीबों एवं असहाय लोगों की मदद करें, उनके प्रतिष्ठा की रक्षा करते हुए, उनके विकास के लिये कार्य करें एवं उन्हें राष्ट्र-निर्माण में समर्थ बनाएं।
2. सभी लोगों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करें, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के लिये।
3. जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करें।
4. दलितों की विशेष सुविधा दें, उनके प्रति कोई भेदभाव न हो और उन्हें उनका अधिकार मिल सके।
5. साम्प्रदायिक सद्भावना को बढ़ावा मिले और अंतर-धार्मिक संवाद और समझदारों के द्वारा राष्ट्रीय अखण्डता की मनोभावना कायम रह सके।
6. भावी पीढ़ी के लिए पर्यावरण और प्रकृति की सम्पन्नता को सुरक्षित रखने के लिए कदम बढ़ाये।

ये उपर्युक्त मुद्दे राष्ट्रीय मुद्दे हैं। लेकिन इसके अतिरिक्त अन्य स्थानीय आवश्यकताएँ भी हैं जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

हम अपने लोगों से निवेदन करते हैं कि वे गिरजाघरों एवं अपने घरों में प्रार्थना में समय व्यतीत करें ताकि हम ऐसा निर्णय कर सकें जो सबकी भलाई तथा देश के हित के लिए हो। हममें से प्रत्येक जन का अच्छी सरकार पाने के लिये विश्वासपूर्वक प्रार्थना करनी चाहिए। “ईश्वर ने अपने पुत्र येशु को इस संसार में इसलिए भेजा ताकि हम न सिर्फ जीवन प्राप्त करें -बल्कि परिपूर्ण जीवन प्राप्त करें।” (यो.10:10)

ईश्वर की शक्ति एवं पवित्र-आत्मा से संचालित होकर हम सभी एक होकर एक बेहतर भारत के लिये कार्य करें। हम अपना देश को माता मरियम को अर्पित करें और उनकी मध्यस्थता से हमारे देश की सुरक्षा तथा ईश्वरीय कृपाओं के लिए प्रार्थना करें।

ईश्वर, हमारे देश को आशीर्वाद प्रदान करें।

महामहिम ओसवालड कार्डिनल ग्रेसियस
बॉम्बे के महाधर्माध्याक्ष और
काथलिक बिशप कॉन्फ्रेंस ऑफ़ इंडिया के अध्यक्ष